



## चूत रस्म-2

“मेरी बहन वर्षा ने मेरे मुरझाए लंड को अपने नरम-  
नरम हाथों में पकड़ लिया और दूसरे हाथ से मेरे गालों  
को सहलाने लगी। दीदी ने मेरे लौड़े को धीरे-धीरे  
सहलाना चालू कर दिया। ...”

Story By: babaji (babaji69)

Posted: Saturday, September 24th, 2016

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [चूत रस्म-2](#)

## चूत रस्म-2

अब तक आपने पढ़ा..

मैं अपनी बहन के सास-ससुर की चुदाई देख रहा था कि पीछे से आकर मेरी बहन वर्षा ने मुझको देख लिया और मेरे गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

अब आगे..

अभी भी मैं सुबक रहा था। उसको ऐसा करते देख मैं और सहम गया और डर से काँपने लगा। मुझे लगा आज तो मेरी खैर नहीं.. तभी वर्षा ने कुछ ऐसा किया जिसकी मुझे उम्मीद भी नहीं थी। उसने मेरे मुरझाए लंड को अपने नरम-नरम हाथों में पकड़ लिया और दूसरे हाथ से मेरे गालों को सहलाने लगी।

यह देख कर मैं एकदम से चौंक गया।

तभी वर्षा ने बोला- सॉरी भाई.. मैंने तुझको मारा, तुझे बहुत दर्द हुआ न.. ले तू भी मुझे मार ले।

बोल के उसने मेरा हाथ पकड़ कर अपने एक बोबे पर रख दिया।

दोस्तो, एक पल को तो मुझे कुछ भी समझ नहीं आया कि यह हो क्या हो रहा है लेकिन अगले ही पल वर्षा मेरे सीने से लग गई।

वो मेरी और देखते हुए बोली- विक्की मेरे भाई.. तू वहाँ क्या कर रहा था ?

तो मैं कुछ नहीं बोला.. तभी वर्षा ने जोर से मेरे लंड को मरोड़ा, तो मैं दर्द से बिलबिला उठा।

उसने फिर पूछा तो मैंने डरते-डरते बोला- वो मैं.. मुझे नींद नहीं आ रही थी.. तो मैं ऐसे ही घूम रहा था कि तभी ऊपर के कमरे से कुछ आवाज आई और मैंने वहाँ जा करके देखा तो.. वहाँ रमेश अंकल और सविता आंटी दोनों.. दोनों.. कुछ कर रहे थे। यह बोल के मैंने अपनी नजरें फिर से नीचे कर लीं और चुप हो गया।

तभी वर्षा ने बोला- क्या कर रहे थे.. सही-सही बता, नहीं तो सुबह मम्मी को सब कुछ बता दूँगी।

बोल कर उसने मेरा लंड फिर से मरोड़ दिया।

मेरी रूह यह सुन कर और लंड के मरोड़ने से.. अन्दर तक काँप गई।

मैंने बोला- दीदी वो.. सविता आंटी और रमेश अंकल दोनों सेक्स कर रहे थे।

तो दीदी बोली- वो सेक्स कर रहे थे तो इसमें क्या बुरा है। वो दोनों पति-पत्नी हैं.. अगर वो सेक्स करते हैं.. तो करने दो!

मैं दीदी की ये बातें सुन कर समझ ही नहीं पा रहा था कि वो क्या चाहती है।

तभी दीदी ने मेरे लौड़े को धीरे-धीरे सहलाना चालू कर दिया।

मुझे डर भी लग रहा था और मजा भी आ रहा था।

कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ।

मैंने दीदी का हाथ झटकते हुए उसको अपने से दूर कर दिया। ये देख कर दीदी ने मुझे मेरी कॉलर से पकड़ कर जोर से धक्का दिया और मुझे बिस्तर पर धकेल दिया और फुर्ती से मेरे ऊपर चढ़ कर बैठ गई।

मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि ये क्या हो रहा है।

तभी दीदी ने दो और थप्पड़ मेरे गाल पर मार दिए और बोली- कमीने एक तो गलती करता है.. और ऊपर से मुझे रोब झाड़ रहा है। तेरी माँ को चोदूँ भड़वे.. साले गांडू.. रुक तुझे अभी बताती हूँ।

वो मुझे ताबड़तोड़ थप्पड़ मारने लगी, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि ये हो क्या रहा है।

मैंने उससे बोला- दीदी प्लीज मुझे छोड़ दो.. आप जो बोलोगी.. मैं वो करूँगा।

मैं उसके आगे हाथ जोड़ने लगा।

वो फिर मुझे घूरते हुए बोली- साले गांडू.. भेन्चोद बनेगा.. बोल रंडी की औलाद।

मैंने बोला- दीदी आप जो बोलोगी.. मैं वो करूँगा, प्लीज मुझे छोड़ दो और मम्मी को कुछ मत बताना।

तो दीदी बोली- एक शर्त पर तुझे छोड़ दूँगी.. अगर तू मेरी बात माने तो..

मैंने दीदी की आँखों में देखा तो उसकी आँखों में लाल-लाल डोरे नजर आए।

उसने कहा- मैं जैसा बोलूँ.. अगर तू वैसा करेगा, तो मैं तुझे कुछ नहीं बोलूँगी और माँ को भी कुछ नहीं बताऊँगी।

मैंने अपने हाथ जोड़ कर उसको कहा- हाँ जो तुम कहोगी.. मैं वैसा ही करूँगा.. प्लीज तुम माँ को कुछ मत कहना।

यह बोल कर मैं उठ कर बैठ गया।

अब दीदी मेरे सामने बैठी थी और मैं उसके सामने।

दीदी बस मुझे ही घूर रही थी, उसने कहा- चल अपने कपड़े निकाल..

और ये बोल कर उसने मुझे बिस्तर से नीचे धक्का दे दिया।

दीदी ने मुझे नीचे गिरा दिया और बोली- मैं जैसा बोलती हूँ वैसा करेगा.. तो मैं माँ को कुछ नहीं बताऊँगी।

अँधा क्या मांगे दो आँखें.. मैं तुरंत मान गया।

तब वर्षा ने मुझसे कहा- एक बात बता और सच-सच बताना कि जब तू मेरी सास के कमरे में झाँक रहा था.. तब तुझे कैसा लग रहा था।

तब मैंने देखा कि मेरी मासूम सी दिखने वाली बहन की आँखों में लाल-लाल डोरे तैर रहे हैं.. तो मैंने अपनी गर्दन नीचे करते हुए कहा- अगर मैं बता दूँगा तो वादा करो कि तुम माँ को कुछ नहीं बताओगी।

वर्षा ने बोला- प्रोमिस.. मैं माँ को कुछ नहीं बताऊँगी और अगर तू सच बोलता है तो मैं तुझको अपने ससुराल की एक ऐसी रस्म के बारे में बताऊँगी जिसको सुनके तुझे मजे आ जाएंगे.. और अगर मेरा मन हुआ तो तुझको कुछ और भी तोहफा दे दूँगी।

दोस्तो, यह बात सुन कर तो मेरे मन में हलचल होने लगी, मैंने सोचा चांस लिया जा सकता है।

तब मैंने मन ही मन बाबाजी के घंटे को याद किया और सोच लिया कि वर्षा को सब कुछ सच-सच बता दूँगा, क्या पता किस्मत थोड़ी मेहरबान हो जाए।

मैं बोला- जब मैं ऊपर सविता आंटी के कमरे के बाहर पहुँचा तो देखा कि आंटी जोर-जोर से रमेश अंकल का लिंग चूस रही हैं।

मैंने जानबूझ कर 'लिंग' बोला, ये देखने के लिए कि वर्षा इस पर कैसे रियेक्ट करती है।

वर्षा ने बोला- क्यों रे मादरचोद.. लंड बोलने में क्या तेरी गांड फट रही है साले भड़वे..

भोसड़ी के.. सुन मेरे सामने ज्यादा शरीफ बनने की कोशिश मत कर नहीं तो तेरा वो हाल

करूंगी कि जिन्दगी भर मुझे याद रखेगा। अब से तू लिंग को लंड और योनि को चूत, बुर या फिर फुटी और सेक्स को चुदाई बोलेगा.. समझा।

मैंने उसकी लाल आँखों में देखते हुए बोला- ठीक है दीदी।

अब मैंने बताना शुरू किया कि कैसे सविता आंटी रमेश अंकल के लौड़े को चूस रही थीं और कैसे वो उसको चुदाई के लिए तैयार कर रही थीं। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मैंने बताया- सविता आंटी ने रमेश अंकल का पूरा लंड गले तक उतार रखा था और उसको जोर-जोर से सड़का मार रही थीं।

मैं ये सब अपनी आँखें जमीन में गड़ाए हुए बोल रहा था।

जब मैंने सब कुछ वर्षा को बता दिया तब, उसकी तरफ देखा तो जो मैंने देखा, उसको देख कर मेरी आँखें फटी की फटी रह गईं।

वर्षा अपने दोनों मम्मों को अपने एक हाथ से दबा रही थी और दूसरे हाथ से अपनी चूत को पजामे के ऊपर से सहला रही थी।

उसने अपने नीचे वाले होंठ को अपने दांतों में दबा रखा था।

क्या बताऊँ यारो.. उस वक्त वो कितनी कामुक लग रही थी, मेरा मन भी उसको देख कर मचलने लगा।

मैंने मन ही मन सोचा कि हे बाबाजी आज आपकी कृपा हो जाए.. तो इस बंजर धरती पर कुछ बूँदें बरस जाएंगी तो कितना अच्छा होगा। बाबाजी अगर ऐसा हो जाए तो मैं 69 बार आपका घंटा बजाऊँगा।

मैंने मन ही मन बाबाजी से ये प्रार्थना की और तभी मैंने देखा कि वर्षा अपनी उंगली से मुझे

अपने पास आने का इशारा कर रही है।

मैं उठकर उसके पास चला गया।

वर्षा ने बोला- मेरे शोना भाई.. चूत की रस्म निभाएगा ?

एक पल को तो मैं हैरान रह गया कि ये चूत की रस्म क्या होती है।

तभी वर्षा ने एक जोर का थप्पड़ मेरे गाल पर मारा और मुझे बोला- भोसड़ी के मैंने तुझे कुछ बोला है और तूने अभी तक जवाब नहीं दिया।

मैंने उसको सॉरी बोला और बिना सोचे समझे बोल दिया- दीदी सारी रस्में निभाऊंगा..

आप जो भी बोलोगी मैं वो करूंगा।

तब दीदी ने मुझे बोला- चल.. तो फिर अपने सारे कपड़े उतार।

मैंने तुरंत ही दीदी की आज्ञा का पालन किया और अपने सारे कपड़े उतार फेंके।

दीदी मेरी तरफ नजरें गड़ाए देख रही थी।

मेरे डर के मेरा काला भुजंग एक गिन्डोले (केंचुआ) जैसा दिख रहा था.. तो दीदी हँसते हुए बोली- तेरा टुनटुना तो बेजान पड़ा है.. क्या ये हमेशा ऐसा ही रहता है ?

मैंने सोचा कि मौका अच्छा है.. दीदी हँसी मतलब फंसी।

मैंने मौके पर चौका मारते हुए बोला- नहीं दीदी ये बेचारा अपने शिकार के सामने आने पर ही अपना असली रूप दिखाता है।

ये बोल कर मैं भी हँसने लगा। मेरे साथ ही दीदी भी मुस्कुरा दी।

मैंने धीरे से दीदी से पूछ लिया- दीदी अब बताओ ना.. कि ये चूत रस्म क्या होती है और

आपको इसके बारे में कैसे पता चला ।

तब दीदी मुस्कुराई और मेरे और देखने लगी ।

दीदी बोली- बड़ी जल्दी है तुझे जानने की ।

मैंने बोला- दीदी आपने ही तो बोला था कि अगर मैं सब कुछ सच-सच बता दूँगा तो आप मुझे चूत रस्म के बारे में बताओगी ।

अब दीदी हँसने लगी और मेरी तरफ देख कर बोली- हाँ मैं बताऊँगी, पर उससे पहले तू मुझे कुछ करके दिखा ।

मैंने बोला- दीदी आप जो बोलोगी.. मैं वो करूँगा ।

दीदी ने बोला- चल पहले तो वो कर, जो मैं तुझे बोलती हूँ ।

मैंने दीदी की आँखों में देखा तो उसकी आँखों में एक शरारत थी ।

तभी वर्षा दीदी ने बोला- तू मेरे सामने अपने लंड की मुठ मार.. और हाँ तू मेरे नाम की मुठ मारेगा.. ऐसा सोच के कि मुझे चोद रहा है ।

दोस्तो, मेरा तो गला सूख रहा था, पता नहीं आज की रात क्या-क्या देखना बाकी था ।

आपके विचारों का स्वागत है ।

[babaji181988@gmail.com](mailto:babaji181988@gmail.com)

कहानी जारी है ।



## Other stories you may be interested in

### दीदी चुदी अपने यार से

मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियाँ पढ़ी हैं. आज मेरा भी मन हुआ कि मैं भी आप लोगों के साथ एक कहानी शेयर करूँ. यह कहानी मेरी नहीं है बल्कि मेरी बहनों की है. कहानी शुरू करने से पहले मैं [...]

[Full Story >>>](#)

### अपने ऑफिस वाले सर से होटल में चुद गयी

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम नेहा है. मैं जॉब करती हूँ और शहर में रहती हूँ. मैं बहुत सेक्सी और बड़ी चूचियां और बड़ी गांड वाली काफी सुन्दर लड़की हूँ. मेरी जॉब बहुत अच्छी है, ये जॉब मुझे मेरे सेक्सी जिस्म [...]

[Full Story >>>](#)

### बेटे की कामवासना पूर्ति

मेरा नाम सुषमा है. मैं एक हाउस वाइफ हूँ. मेरी उम्र 42 साल है. मेरे पति मुझसे 20 साल बड़े हैं. उनकी उम्र 62 साल की है. आपने कई बार सुना होगा कि प्यार अंधा होता है. प्यार में उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

### काम पिपासु को मिली काम ज्वाला-1

दोस्तो, मेरा नाम प्रदीप कुमार शर्मा है, मैं दिल्ली में रहता हूँ। मैं पिछले बहुत समय से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। वैसे ही हर मर्द की इच्छा होती है कि वो ज्यादा से ज्यादा औरतों के साथ मजे लूटे, [...]

[Full Story >>>](#)

### बीपीएल राशनकार्ड बनवाने की फीस

हैलो दोस्तो, मेरा नाम अजय है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ. ये कहानी किसी दूसरे लेखक/पाठक ने मुझे भेजी है. जिसने मुझे ये कहानी भेजी है, वो [...]

[Full Story >>>](#)

